No. of Printed Pages : 7

EEC-07

BACHELOR'S DEGREE PROGRAMME

Term-End Examination

December, 2011

01078

ELECTIVE COURSE : ECONOMICS

EEC-07 : INDUSTRIAL DEVELOPMENT IN INDIA

Time : 3 hours *Maximum Marks : 100*

(Weightage 70%)

Note : *Attempt questions from each section as per instructions given under each section.*

SECTION - A

Answer ***any two*** questions from this section in about ***500*** words each. Each question carries ***20*** marks. **2x20=40**

1. Critically analyse the need for industrialisation in the developing economy like India.

2. What is the significance of the concept of capacity utilisation ? What measures are available for capacity utilisation ? Briefly explain the trends in capacity utilisation in India.

3. Explain the concept of Balanced Regional Development. Why do we need balanced regional development ? Identify the causes of regional disparities in India.

4. Define "small scale industry". Discuss their importance in India. What are the issues relating to small scale Industries ?

SECTION - B

Answer ***any four*** of the following questions in about ***250*** words each. Each question carries ***12*** marks. **4x12=48**

5. "Rapid expansion of trade is necessary condition for rapid industrialisation". How ?

6. Where does Indian industry stand in the context of present globalisation ? Discuss briefly.

7. What are the shortcomings of the Industrial Policy 1991 ? Discuss.

8. Define optimum firm. How is it different from the concept of representative firm ?

9. India has advantages in the production of iron and steel over many other countries. Explain.

10. Briefly explain the growth of private corporate sector since 1991 in India.

SECTION - C

11. Differentiate between ***any two*** of the following : **2x3=6**

(a) Natural barriers and strategic barriers to the entry of a firm.

(b) Herfindhal Index of concentration and N-firm concentration ratio.

(c) External sickness and internal sickness of an industry.

12. Write short notes on ***any two*** of the following : **2x3=6**

(a) Incremental Cost Pricing

(b) Venture Capital

(c) Agglomerative and Deglomerative factors in location theory.

ई.ई.सी-07

स्नातक उपाधि कार्यक्रम

सत्रांत परीक्षा

दिसंबर, 2011

ऐच्छिक पाठ्यक्रम : अर्थशास्त्र

ई.ई.सी.-07 : भारत में औद्योगिक विकास

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

(कुल का 70%)

नोट : *प्रत्येक खण्ड में दिए गए निर्देशों के अनुसार उत्तर दीजिए।*

खण्ड - क

इस खण्ड में से ***किन्हीं दो*** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक उत्तर लगभग *500* शब्दों में दीजिए। **2x20=40**

1. भारत जैसी विकासशील अर्थव्यवस्था में औद्योगीकरण की आवश्यकता का आलोचनात्मक विश्लेषण कीजिए।

2. क्षमता उपादेयता की अवधारणा का क्या महत्व है? क्षमता उपादेयता के लिए क्या उपाय उपलब्ध है? भारत में क्षमता उपादेयता की प्रवृत्तियों की संक्षेप में व्याख्या कीजिए।

3. संतुलित क्षेत्रीय विकास की अवधारणा की व्याख्या कीजिए। संतुलित क्षेत्रीय विकास की क्या आवश्यकता है? भारत में क्षेत्रीय विषमताओं के कारणों का उल्लेख कीजिए।

4. लघु-स्तर उद्योग की परिभाषा दीजिए। भारत में इनके महत्व की व्याख्या कीजिए। लघु-उद्योगों से संबद्ध मुद्दे क्या है?

खण्ड - ख

इस खण्ड में से ***किन्हीं चार*** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न के उत्तर लगभग *250* शब्दों में दीजिए। **4x12=48**

5. ''तीव्र औद्योगीकरण के लिए व्यापार का तीव्र विस्तार आवश्यक शर्त है।'' कैसे ?

6. वर्तमान विश्वव्यापीकरण के संदर्भ में भारतीय उद्योग की क्या स्थिति है ? संक्षेप में चर्चा कीजिए।

7. औद्योगिक नीति 1991 की क्या कमियाँ है ? चर्चा कीजिए।

8. आदर्श फर्म की परिभाषा दीजिए। यह प्रतिनिधि फर्म से किस प्रकार भिन्न है ?

9. अन्य अनेक देशों की तुलना में लोह एवं इस्पात उत्पादन में भारत को कई लाभ उपलब्ध हैं। व्याख्या कीजिए।

10. भारत में सन् 1991 के बाद निजी निगमीय क्षेत्र की प्रगति की संक्षेप में व्याख्या कीजिए।

खण्ड - ग

11. निम्न में ***किन्हीं दो*** में भेद कीजिए। **2x3=6**

(a) फर्म के प्रवेश पर प्राकृतिक बाधाएँ एवं रणनीतिक बाधाएँ।

(b) केंद्रीकरण की हरफिंडाल सूचकांक एवं N-फर्म केंद्रीकरण अनुपात

(c) एक उद्योग की बाहरी रुग्णता एवं आंतरिक रुग्णता

12. निम्न में से ***किन्हीं दो*** पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए : **2x3=6**

(a) वृद्धिवामक लागत सिद्धांत

(b) वेंचर पूँजी

(c) अवस्थिति सिद्धांत में अधोगामी एवं प्रतिगामी कारक